آستانہ حضرات مخدومین سادات چودہوں پیراں (علیہم الرحمۃ والرضوان) الہ آباد

www.syed14peer.com

۷۸۶/۹۲

نقش تحفۂ روحانی وحل المشکلات

مَعَ اسْمِ اللهِ الْمَلِكِ السَّلٰمِ

صلی اللہ علیہ وسلم م ح م د

صلی اللہ علیہ وسلم ح م د م

صلی اللہ علیہ وسلم م د م ح

صلی اللہ علیہ وسلم د م ح م

اس نقش کو دیکھنے والے کی
ہرمشکل حل ہوگی انشاء اللہ

स़लातुल मीमिल्अरबईन 6

दुरूदे चहल मीम

पेशकश

बमौक़ा शअ़बान 1437हि०

बफ़ैज़े रूहा़नी संय्यिदुना मोह़युद्दीन व सय्यिदुना मोईनुद्दीन व ह़ज़रात मख़्दूमीन सादात चौदहों पीराँ رضي الله عنهم

मोह़म्मद अ़ज़ीज़ सुल्ता़न नाचीज़

बिस्मिल्लाहिर्रह़मानिर्रह़ीम

सुबह़ान क ला इलाह इल्लल्लाहु सुल्ता़न क या मन हुवल्लाहु लाइला ह इल्ला हुवल अ़लीयुल अ़ज़ीमु स़ल्लि स़लातन कामिलतवँ व सल्लिम सलामवँ व बारिक ब र कतन दाइमतन अ़ला सय्यिदी व मौलाई नूरिकल कामिलि व कमालि अ़ ज़ मति कल्लज़ी अ़ज़्हरतहू बिअम्रिकल अव्वलि कुन मुह़म्मदन फिल अ ज़लि व हुवन्नूरु ज़ क र ला इलाह इल्लल्लाहु अव्वलन फ़ख़ात़ब तहू बिकलामिकल क़दीमि व कुल्त लहू मोह़म्मदुर्रसू लुल्लाहि व ख़लक़्त मिन्नूरिहिल क़ ल म वल्लौ ह़ वल अ़र्श व ह़ म ल तल अ़र्शि वल कुरसी य वल मलाइ क त वस्समावाति वल अर्ज़ी न वल जन्न त वन्ना र वश्शम्स वल क़ म र वल जिन्न वल इन्स व कुल्लल ख़ल्क़ि व नूरिकल अस्ल़ि कुल्त फ़ीहि व लिल्लाहिल म स लुलअअ़ला व हुवल अ़ज़ीज़ुल ह़कीमु व कुल्त फ़ी शानि नूरिकल करीमि अल्लाहु नूरूस्समावाति वल अर्ज़ि म स लु नूरिही क मिशकातिन फ़ीहा मिस़बाहुन अलमिस़्बाहु फ़ीज़ुजाजतिवँ व मज़्हरि ज़ातिकल अ ज़ लीये वल अ बदीये लै स कमिस्लिहि शैऊँ व नूरिकल्लज़ी जअ़ल्त वालिदैहि अ़ज़्कल वालिदी न व आलहू अ़ज़्कल आलि व अस़्ह़ाबहू अ़ज़्कल अस़्ह़ाबि व उम्म तहू अ़ज़्कल उममि वहु व नूरुकल अ़लीयुल अ़ज़ीमु मोह़म्मदुर्रसू लुल्लाहि व अ़ला वालिदैहि व आलिही व अहलि बैतिही व अस़्ह़ाबिही बिकुल्लि शअनिन जदीदिन इला अ बदिल आबादि।

तर्जमा अल्लाह के नाम से शुरूअ़ जो बड़ा मेहरबान निहायत रह़म वाला है।

पाकी है तेरी नहीं कोई मअ़बूद सिवाए अल्लाह के बादशाहत है तेरी ऐ वह जो अल्लाह है नहीं कोई मअ़बूद सिवाए उस के जो बुलंदी वाला अज़्मत वाला है तू भेज कामिल दुरूदो सलाम और दाएमी बरकत मेरे सरदार पर मेरे मौला अपने नूरे कामिल पर और अपनी उस अ़ज़्मत के कमाल पर जिसे ज़ाहिर किया तूने अपने अम्रे अव्वल कुन मोह़म्मदनﷺ से अज़ल में, तो उस नूर ने सबसे पहले लाइला ह इल्लल्लाहु का ज़िक्र फ़रमाया पस तू उस से अपने कलामे क़दीम से मुख़ात़ब हो कर फ़रमाया मोह़म्मदुर्रसूलुल्लाहि ﷺ और तख़लीक़ फ़रमाई तूने उनके नूर से क़लम, लौह़, अ़र्श, ह़ामेलीने अ़र्श, कुर्सी, फ़रिशते, आसमान, ज़मीन, जन्नत, दोज़ख़, सूरज, चाँद, जिन्नात, इन्सान और तमाम मख़्लूक़ात की, और अपने उस अस़्ल नूर पर कि फ़रमाया तूने उन के बारे में और अल्लाह के लिए अअ़ला शान है और वही इ़ज़्ज़त वाला हि़कमत वाला है और फ़रमाया तूने अपने नूरे करीम की शान में अल्लाह आसमानो ज़मीन का नूर है उस के नूर की मिसाल उस ता़क़ की त़रह़ है जिस में चराग़ हो और चराग़ फ़ानूस में हो और तेरे अज़्ली व अब्दी ज़ात लै स कमिस्लिही शैउन (उस की मिस्ल कोई चीज़ नहीं) के मज़हर पर और अपने उस नूर पर कि बनाया तूने उन के वालिदैन को तमाम वालिदैन में सबसे ज़्यादा पाकीज़ा और उन की आल को तमाम आल में सबसे ज़्यादा पाकीज़ा उन के अस़्ह़ाब को तमाम अस़्ह़ाब में सबसे ज़्यादा पाकीज़ा और उन की उम्मत को तमाम उम्मतों में सबसे ज़्यादा पाकीज़ा और वह तेरे बुलंदी वाले अ़ज़्मत वाले नूर मोह़म्मद ﷺ अल्लाह के रसूल हैं। और आपﷺके वालिदैन पर, आपﷺकी आल पर आपﷺकी अहले बैत पर और आपﷺके अस़्ह़ाब पर हर नई शान के साथ हमेश्गी तौर प़र।

नोटः जो शख़्स़ इस दरुद को ४०/७/३ बार पढ़ने का अपना मअ़मूल बनाएगा उसे अ़ालमे अनवार का मुशाहदा नस़ीब होगा, दोनों जहाँ में अ़ज़्मतो बुलंदी ह़ासि़ल होगी, वह गुनाहों से पाक हो जाएगा और उस की हर दुअ़ा क़बूल होगी। इन्शाअल्लाहु तअ़ाला।